तापमान

अधिकतम 26 डिग्री

न्यूनतम 22 डिग्री

हरिभूमि

# वनांचल भूमि

रायपुर, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

11 ऐसे में कैसे बनेगा नियाद नेल्लानार



12 बस्तर दशहरा की परंपराओं से समझौता नहीं, सभी की भागीदारी जरूरी : जयदेव



हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
मास्टर कूपन
27 अक्टूबर 2026
कूपन नं.
9

# संभावित चक्रवात को लेकर प्रशासन अलर्ट, जीरो कैजुअल्टी सुनिश्चित करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

प्रदेश में 27 अक्टूबर से संभावित चक्रवात के प्रभाव, भारी बारिश, जलभराव और 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए शासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। चक्रवाती प्रभाव से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और जिला कलेक्टरों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक स्तर पर की गई पूर्व तैयारी आपदा के अनुमान से कहीं अधिक मजबूत होनी चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में जान-माल का नुकसान न हो और जीरो कैजुअल्टी का लक्ष्य हर हाल में सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जल संसाधन विभाग की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए बताया गया कि प्रदेश के 46 प्रमुख जलाशय शत-प्रतिशत भरे हुए थे। चक्रवात के दौरान होने वाली मूसलाधार बारिश से बाढ़ की स्थिति निर्मित न हो और अतिरिक्त पानी के दबाव को संतुलित रखा जा सके, इसके लिए इन जलाशयों से करीब 22 से 23 प्रतिशत पानी पहले ही नियंत्रित रूप से छोड़ दिया गया है। अधिकारियों को जलाशयों में पानी के संचयन और सुरक्षित निकासी के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने को कहा गया है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव का खतरा न बने। इसके साथ ही किसानों की कटी हुई फसलों को भीगने से बचाने, बागवानी फसलों की बुवाई में आवश्यक फेरबदल करने और पशुधन की सुरक्षा के संबंध में जारी एडवाइजरी का कड़ाई से पालन कराने पर बल दिया गया।

### अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ ने की उच्चस्तरीय समीक्षा




#### 31 करोड़ की राशि जारी

चक्रवाती तूफान के दौरान बुनियादी नागरिक सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए बिजली और दूरसंचार विभागों को विशेष मुस्तैदी बरतने को कहा गया है, ताकि खंभे या पेड़ गिरने की स्थिति में विद्युत आपूर्ति और संचार नेटवर्क को तत्काल बहाल किया जा सके। मार्गों को निर्बाध रखने के लिए गिरे हुए पेड़ों को तेजी से हटाने हेतु तकनीकी दल तैनात रहेंगे। राहत और बचाव कार्यों को मजबूती देने के लिए राज्य में तैनात एसडीआरएफ की टीमों के साथ-साथ एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमें भी बुलाई गई हैं। इसके अतिरिक्त जिलों को राहत कार्यों और तात्कालिक सहायता के लिए लगभग 31 करोड़ की राशि जारी की जा रही है।

## बीजापुर के नम्बी जलप्रपात में गिरने से किशोर की मौत

जगदलपुर। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र स्थित नम्बी जलप्रपात में नहाने के दौरान गिरने से एक किशोर की मौत हो गई है।



बताया जा रहा है कि वह परिवार के साथ पिकनिक मनाने तेलगांना स्टेट से आया हुआ था। जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय बीजापुर से लगभग 65 किमी दूर उसूर ब्लॉक के नडपल्ली गांव से तीन किमी दूर घने जंगल व पहाड़ी के बीच स्थित नंबी जलप्रपात में रविवार को तेलगांना स्टेट के चेरला से पिकनिक मनाने परिवार आया हुआ था। इसी दौरान पैर फिसलने से लगभग 17 वर्षीय गिरीश की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उसूर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। मृतक के शव को उसूर लाया गया है, जिसका सोमवार को पीएम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया।

### प्रधानमंत्री के स्व. पिता पर अमर्यादित टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन

# भाजपा ने फूंका कांग्रेस अध्यक्ष का पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर की गयी अमर्यादित टिप्पणी के खिलाफ आज आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले भर में विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस अध्यक्ष का जगह-जगह पुतला फूंका।

बस्तर जिले के सभी 13 मण्डल में कांग्रेस का पुतला दहन किया और कांग्रेस अध्यक्ष से अविलम्ब देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की गई। शहर में भाजपा पश्चिम नगर मण्डल के कार्यकर्ताओं ने गोलबाजार चौराहे में और भाजपा पूर्वी मण्डल के कार्यकर्ताओं ने चांदनी चौक में पुतला जलाया और विरोध में जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने रामाश्रय सिंह, रजनीश पाणिग्रही, परीसराम बेसरा, योगेन्द्र पाण्डेय, खेमसिंह देवांगन, नरसिंह राव, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, रोहित त्रिवेदी, राजपाल कसेर, विपिन मालवीय, दिनेश के.जी., माहेश्वरी ठाकुर,अभिलाष यादव, मनीष पारेख, अतुल सिम्हा, दिगम्बर राव, शशिनाथ पाठक, विक्रम सिंह यादव,राजा यादव, पिंटू साव, अविनाश सिंह गौतम, संग्राम सिंह राणा, निर्मल पाणिग्रही, विनय राजू ,आलेखराज तिवारी, आनंद झा, अनिमेष चौहान, रमेश नायडू, ममता राणा, पूनम सिन्हा, बिजली बैद्य, माधवी मण्डल, ब्रिजेश शर्मा, ब्रिजेश कपूर आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।



### सांसद ने कहा संस्कार और अनुशासन की कमी आचरण से झलकती है



सांसद महेश कश्यप ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता के संबंध में की गई अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए इसे कांग्रेस की संकीर्ण राजनीतिक सोच और गिरते राजनीतिक स्तर का परिचायक बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन विरोध के नाम पर उनके दिवंगत पिता के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी करना उचित नहीं है। भारतीय लोकतंत्र में वैचारिक मतभेदों का स्वागत है, लेकिन व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग राजनीतिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। कांग्रेस अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति से सार्वजनिक जीवन में अधिक संयम, शालीनता और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में संस्कार और अनुशासन की कमी बार-बार सामने आती रही है।

# सीआरपीएफ 219 बटालियन ने बरामद किया नक्सली डंप



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा

सीआरपीएफ 219 बटालियन को मिली सूचना के आधार पर ग्राम मोसलमुडगु के बाहरी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा विस्फोटक एवं अन्य सामग्री छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिली। द्वितीय कमान अधिकारी कर्मवीर सिंह यादव, अनुराग राज एवं ई. ललितादित्य सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में एरिया डोमिनेशन अभियान प्रारंभ किया गया। दल संदिग्ध स्थान पर पहुंचा। जवानों ने डीएसएमडी एवं के 9 डिग्री की सहायता से क्षेत्र की सघन तलाशी की। इस दौरान एक छोटा कंटेनर बरामद हुआ। जिसके भीतर विस्फोटक संदिग्ध सामान पाया गया। बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षा उपायों का पालन किया और बरामद नक्सली डंप को सुरक्षित बाहर निकाला। बरामद सामग्री में जिलेटिन स्टिक 79, इलेक्ट्रिक वायर 4 बंडल, 3 बंडल सिंथेटिक कॉम्बैट बेल्ट 7, नक्सली वर्दी का काला कपड़ा 3 बंडल, छोटा नीले रंग का कंटेनर 1 पेन कैलकुलेटर पॉकेट डायरी बरामद किया।

- भेज्जी थाना क्षेत्र के मोसोलमडगू गांव के पास सामग्री बरामद की



## खबर संक्षेप

### सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

**कोण्डागांव।** सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारंभ पर जिला कार्यालय कोण्डागांव के सभाकक्ष में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भ्रष्टाचार उन्मूलन की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सभी ने शासकीय कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा बनाए रखने के साथ अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन और जनहित को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया गया। शपथ कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किसी भी परिस्थिति में रिश्वत नहीं लेने और न ही देने का संकल्प लिया। साथ ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध सजग रहने और सभी शासकीय कार्यों को निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपादित करने की शपथ ली। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जीवन के सभी क्षेत्रों में इमानदारी और कानून के शासन का पालन करने की शपथ ली।

### मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में गया बुजुर्ग लापता

**जगदलपुर।** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत कोलकोता गया बुरगुम का बुजुर्ग बीते 8 अक्टूबर की शाम लगभग 5 बजे कोलकाता के कालीघाट मंदिर के अंदर से लापता हो गया। घटना के 18 दिन बाद भी लापता दशरू का अब तक कोई सुराग नहीं मिलने से परिजन परेशान हैं। लगातार पता तलाश के बाद भी सुराग नहीं लगने से परेशान परिजन सोमवार को कलेक्टोरेट पहुंचकर कलेक्टर से लापता बुजुर्ग की तलाश में मदद करने गुहार लगाई है। कलेक्टर को दिए पत्र में परिनजों ने बताया कि शासन की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बास्तानार तहसील के बुरगुम पटेलपारा निवासी दशरू 75 वर्ष अन्य तीर्थयात्रियों के साथ दर्शन के लिए गया हुआ था। इसी दौरान 8 अक्टूबर की शाम कोलकोता के कालीघाट मंदिर के अंदर से वह गुम हो गया।



### रेलवे स्टेशन से गायब हुई बाइक, जांच शुरू

**बस्तर।** जगदलपुर के बोधघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन परिसर से दोपहिया वाहन चोरी हो गई। सीएनडब्लू कर्मचारी सुखराम सेठिया ने थाना प्रभारी बोधघाट को आवेदन देकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। प्रार्थी के अनुसार उसकी मोटरसाइकिल हीरो होंडा पेशन प्रो वाहन क्रमांक सीजी 17 केएल 8317 है। शिकायत में बताया गया कि 21 अक्टूबर को रात्रि 10 बजे उन्होंने अपनी बाइक जगदलपुर रेलवे स्टेशन परिसर में खड़ी की थी और रात्रि ड्यूटी के लिए रेलवे स्टेशन ऑफिस चले गए थे। सुबह ड्यूटी समाप्त कर लौटने पर वाहन अपने स्थान पर नहीं मिला। आसपास काफी खोजबीन करने के बाद भी वाहन का कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित ने इस घटना की सूचना रेलवे पुलिस को भी दी है।

## निधन

### सुमित गुप्ता

**केशकाल।** स्थानीय निवासी सुमित गुप्ता का 25 अक्टूबर को निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और गहरा दुख जताया। वे एक मिलनसार व्यक्ति थे।



# हायर सेकंडरी में लगा सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुरडोंगर, केशकाल में 26 से 31 अक्टूबर तक संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों से उपस्थित रिसोर्स पर्सन द्वारा विद्यार्थियों को मेरा बचपन, मेरा अधिकार विषय पर जागरूक किया गया तथा बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग, केशकाल के खंड शिक्षा अधिकारी एवं रिसोर्स पर्सन कंवल सिंह पोया, आदिम जाति कल्याण विभाग के मंडल संयोजक दीपेश कंवर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव के पैनल अधिवक्ता केशव सिंह ठाकुर, थाना केशकाल की उपनिरीक्षक गोदावरी नागवंशी एवं प्रधान आरक्षक राकेश जुर्री उपस्थित थे। कार्यक्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी केशकाल सौम्या राय ने विद्यार्थियों को बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी बच्चे के साथ किसी भी प्रकार का अपराध, हिंसा, शोषण या दुर्व्यवहार होता है, तो उसे चुप नहीं रहना चाहिए। ऐसी स्थिति में बच्चे पैरालीगल वॉलेंटियर के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं तथा संबंधित थाने में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी परेशानी की स्थिति में उचित सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।




अन्य रिसोर्स पर्सन ने भी अपने-अपने विभाग से संबंधित विषयों पर विद्यार्थियों को जानकारी दी तथा बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। सुरक्षित बचपन अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उन्हें हिंसा एवं शोषण से सुरक्षित रखना तथा किसी भी अपराध की स्थिति में शिकायत और सहायता प्राप्त करने के उचित माध्यमों की जानकारी देना है। कार्यक्रम में प्राचार्य एवं शाला स्टॉफ व समस्त अधिकार मित्र तालुका विधिक सेवा समिति केशकाल की उपस्थिति रही।

### 28 और 29 अक्टूबर को भारी बारिश की संभावना

# छत्तीसगढ़ में चक्रवात का अलर्ट फसल बचाने की चिंता में किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवाती सिस्टम के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम के बदलाव की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। विशेष रूप से 28 और 29 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। इसे देखते हुए केशकाल के किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में धान की फसल पककर तैयार होने लगी है और किसान अपनी मेहनत से तैयार उपज को सुरक्षित घर तक पहुंचाने की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे समय में बारिश और तेज हवाओं की आशंका ने किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

- कटाई की तैयारी के बीच मौसम ने बढ़ाई परेशानी

चक्रवात के संभावित प्रभाव को देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की है। किसानों को सलाह दी गई है कि जिन खेतों में धान, दलहन और तिलहन की फसलें पकने की अवस्था में हैं, वहां आगामी दो से चार दिनों तक कटाई का कार्य स्थगित रखें। जिन किसानों ने कटाई शुरू कर दी है, वे कटी हुई फसल को जल्द से जल्द सुरक्षित और ढके हुए स्थान पर पहुंचाएं।

इसके अलावा खेतों में अतिरिक्त पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। किसानों को यह भी कहा गया है कि फसलों में कीट या रोग के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद ही आवश्यक कीटनाशक अथवा कवकनाशक का छिड़काव करें। रबी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को भी मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है। कोंडागांव सहित बस्तर संभाग के किसानों के लिए भी मौसम का यह बदलाव महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में धान की खेती बड़ी संख्या में किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। ऐसे में बारिश की आशंका के बीच फसल की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतना आवश्यक है। तेज हवाओं के साथ बारिश होने पर खेतों में खड़ी फसल और खुले स्थानों पर रखी उपज प्रभावित हो सकती है।

किसानों को चाहिए कि वे मौसम विभाग की ताजा चेतावनियों पर ध्यान दें, कटी हुई फसल को खुले में न छोड़ें तथा खेतों और खलिहानों में पानी की निकासी सुनिश्चित करें। सब्जी उत्पादकों को भी बेल वाली फसलों को सहारा देने और तेज हवाओं से पौधों को बचाने के उपाय करने चाहिए।

खेती-किसानी में किसानों की मेहनत के साथ मौसम की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। महीनों की मेहनत के बाद जब फसल तैयार होती है, तब प्राकृतिक परिस्थितियों में बदलाव किसानों की चिंता बढ़ा देता है। ऐसे में समय रहते सावधानी बरतना और कृषि वैज्ञानिकों की सलाह का पालन करना जरूरी है, ताकि संभावित नुकसान को कम किया जा सके। फिलहाल किसानों की निगाहें मौसम के अगले पूर्वानुमान पर टिकी हैं।



### तैयार फसल को सुरक्षित रखने की चिंता

किसानों के लिए धान की फसल का यह समय बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। कई खेतों में फसल पकने की अवस्था में है, जबकि कुछ किसान कटाई की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में यदि अचानक बारिश होती है, तो खेतों में खड़ी फसल के साथ कटाई के बाद खुले में रखी उपज को भी नुकसान पहुंच सकता है। बारिश से खेतों में पानी भरने, फसल के गिरने तथा कटाई के बाद धान के भीगने की आशंका रहती है। इससे फसल की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ किसानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इसी वजह से किसान मौसम के पूर्वानुमान पर लगातार नजर रख रहे हैं। जिन खेतों में फसल पक चुकी है, वहां किसान कटाई को लेकर असमंजस में हैं। एक ओर फसल को समय पर काटकर सुरक्षित रखने की चिंता है, तो दूसरी ओर खराब मौसम के कारण होने वाले संभावित नुकसान का डर भी बना हुआ है।

# तोतर में 60 दिवसीय जनसेवा अभियान का समापन




हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

ग्राम पंचायत तोतर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के तत्वावधान में संचालित 60 दिवसीय मेगा ड्राइव अभियान का समापन ग्रामीणों को पौधे वितरित कर किया गया। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने, जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने तथा निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया गया। समापन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री गायत्री साय ने ग्रामीणों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया।

- ग्रामीणों को पौधा भेंट कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत तोतर में 60 दिवसीय मेगा ड्राइव अभियान संचालित किया गया। इसके अंतर्गत स्थापित विधिक सहायता केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाओं और योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया।

अभियान के दौरान ग्रामीणों के आधार कार्ड, पैन कार्ड और राशन कार्ड तैयार कराकर हितग्राहियों को उपलब्ध कराए गए। आवश्यक दस्तावेज मिलने से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं और विभिन्न विभागीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायता मिली।

अभियान में श्रम कार्ड से संबंधित कार्यों पर भी ध्यान दिया गया। पात्र श्रमिकों को श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया गया। इससे श्रमिक परिवारों को शासन की योजनाओं से जोड़ने की दिशा में पहल हुई। ग्राम पंचायत में स्थापित विधिक सहायता केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया गया।

# विधायक ने विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया



**धनोरा।** विधायक नीलकंठ टेकाम ने रविवार को क्षेत्रीय विकास कार्यों और जनसंपर्क से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता निभाई। ग्राम पंचायत जामगांव में सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया और 30 लाख की लागत से महतारी सदन निर्माण की घोषणा की। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 3.25 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 385.95 लाख की लागत से किया जाएगा। जामगांव पहुंचने पर उनका हुलकी-मांदरी पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया गया।

इसके बाद ग्राम धनोरा (बनियागांव) में 191.51 लाख की लागत से निर्मित 50 सीटर आईटीआई छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक ने आईटीआई में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और सुविधाओं की जानकारी ली तथा नए छात्रावास का लाभ उठाकर शिक्षा एवं कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

दिनभर के कार्यक्रमों के बाद शाम को विधायक नीलकंठ टेकाम ग्राम बदवर पहुंचे, जहां उन्होंने दशहरा कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान की भूमिका निभा रहे कलाकारों को तिलक-चंदन लगाकर प्रणाम किया तथा दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं।

सड़क निर्माण के भूमिपूजन, महतारी सदन की घोषणा, आईटीआई छात्रावास के लोकार्पण और विद्यार्थियों से संवाद के साथ विधायक का दिन क्षेत्रीय विकास कार्यों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता के बीच व्यतीत हुआ। इस अवसर पर जामगांव सरपंच अरुण नेताम, बनियागांव सरपंच हिररू राम शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष नंदनी पोटाई, जिला पंचायत सदस्य कपिलकांत नाग, जनपद सदस्य हिरमो कुंजाम, भाजपा मंडल अध्यक्ष धनोरा संतोष सिन्हा, केशकाल मंडल अध्यक्ष लंबोदर सलाम, रमेश यादव, श्रीराम यदु, हितेश नेताम, रोशन सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

### सुरक्षित बचपन अभियान, छह स्कूलों में विधिक जागरूकता शिविर लगा



**कोण्डागांव।** बच्चों को उनके कानूनी अधिकार, सुरक्षा और बाल अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सुरक्षित बचपन अभियान के तहत कोण्डागांव जिले के छह विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में न्यायिक अधिकारियों ने बच्चों को बाल अधिकारों, बाल विवाह एवं शोषण की रोकथाम, साइबर सुरक्षा तथा असुरक्षित परिस्थितियों में सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी दी। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में अलग–अलग विषयों पर बच्चों को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से जागरूक किया गया। अभियान के तहत बच्चों को मेरा बचपन, मेरा अधिकार, कानून जानो, बचपन बचाओ, सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन, बोलो, बताओ, बचाओ, ना बाल विवाह, ना बाल शोषण और जागरूक बचपन, सशक्त भारत जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। चावरा हायर सेकंडरी स्कूल, सेंट जेवियर हाई स्कूल, पीएम श्री हायर सेकंडरी स्कूल, आदेश्वर पब्लिक स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और डीएवी स्कूल, देवखरगांव में अलग-अलग अधिकारियों द्वारा जागरूक बचपन, सशक्त भारत विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया।

# दिवंगत सैनिक सुंदरलाल नेताम को तिरंगे के साथ दी भावभीनी श्रद्धांजलि

**कोण्डागांव।** भारतीय सेना के जवान सुंदरलाल नेताम के सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन से परिवार, क्षेत्र और पूर्व सैनिक समाज में शोक की लहर है। 24 अक्टूबर को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, कोंडागांव के पदाधिकारी एवं सदस्य उनके गृह ग्राम पल्ली शामपुर पहुंचे और तिरंगे के साथ उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित पूर्व सैनिकों एवं सदस्यों ने दिवंगत जवान को सलामी देकर उनकी सैन्य सेवा, समर्पण और राष्ट्र के प्रति योगदान को नमन किया। दिवंगत जवान सुंदरलाल नेताम वर्ष 2017 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। देश की सेवा से जुड़े उनके योगदान को याद करते हुए पूर्व सैनिकों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सड़क दुर्घटना में उनका असामयिक निधन परिवार और परिचितों के लिए अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने का संबल दिया। पदाधिकारियों ने परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।



e-Stamp No.- IN-CG76900527424307Y
समक्ष-श्रीमान नोटरी पब्लिक-नारायणपुर, जिला नारायणपुर (छ.ग.)
// शपथ-पत्र //

मैं खोड़िया पिता आयतु उम्र 42 वर्ष, जाति अबुझमाड़िया, निवासी ग्राम गोमागाल पोस्ट तहसील ओरछा जिला नारायणपुर (छ०ग०) का निम्नांकित सत्य कथन करता हूँ कि :-

1. यह कि मेरे पुत्र का सही नाम उपनाम सहित रविशेखर ध्रुव (RAVISHEKHAR DHRUW) है, जो उसके जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है जिसकी सत्यप्रतिलिपि संलग्न है।
2. यह कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण भारत सरकार द्वारा प्रदत्त मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्रमांक 6941 1156 2866 में मेरे पुत्र का नाम पाण्डरू (PAANDARU) अंकित है जो गलत अंकित है।
3. यह कि मैं, मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्रमांक 6941 1156 2866 में मेरे पुत्र का सही नाम उपनाम सहित रविशेखर ध्रुव (RAVISHEKHAR DHRUW) अंकित कराना चाहता हूं।
4. यह कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण भारत सरकार द्वारा प्रदत्त मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्रमांक 6941 1156 2866 में मेरे पुत्र का अंकित नाम पाण्डरू (PAANDARU) के स्थान पर उसके आधार कार्ड क्रमांक 6941 1156 2866 में मेरे पुत्र का सही नाम उपनाम सहित रविशेखर ध्रुव (RAVISHEKHAR DHRUW) अंकित करने बाबत राजपत्र में प्रकाशन हेतु यह शपथ पत्र पुत्र रविशेखर ध्रुव के अवयस्क होने के कारण पिता की हैसियत से मेरे द्वारा निष्पादित एवं प्रस्तुत है।

अं. नि. खोड़िया
शपथकर्ता

सत्यापन

मैं शपथकर्ता खोड़िया पिता आयतु सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की समस्त जानकारी मेरे स्वयं के ज्ञान से सत्य है। आज दिनांक 06/01/2026 को स्थान नारायणपुर में अपना हस्ताक्षर/अंगूठा निशान किया।

स्थान:- नारायणपुर
दिनांक :- 06/01/2026

अं. नि. खोड़िया
सत्यापनकर्ता

## खबर संक्षेप

### राज्योत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

**दंतेवाड़ा।** कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में आगामी 2 नवंबर को आयोजित होने वाले एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर भरतराम ध्रुव एवं डिप्टी कलेक्टर पिंकी मनहर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की समीक्षा की। राज्योत्सव वर्ष 2026 की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' निर्धारित की गई है। इस अवसर पर महिला सशक्तीकरण, युवाओं की प्रतिभा और जिले की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों, नवाचारों एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे, ताकि आम नागरिकों को शासकीय योजनाओं की जानकारी मिल सके। बैठक में कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, विद्युत, साफ-सफाई, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

### चक्रवाती तूफान के चलते स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र रहेंगे बंद

**दंतेवाड़ा।** बंगाल की खाड़ी में संभावित चक्रवाती तूफान के प्रभाव से जिले में खराब मौसम, तेज हवाओं और भारी बारिश की आशंका को देखते हुए कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिला प्रशासन दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा द्वारा एहतियाती कदम उठाए गए हैं। बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 27 अक्टूबर को जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों तथा सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिवसीय अवकाश घोषित किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, प्रतिकूल मौसम के दौरान बच्चों एवं अन्य हितग्राहियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र 27 अक्टूबर को बंद रहेंगे। संबंधित परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध खाद्य सामग्री, शासकीय अभिलेखों तथा अन्य सामग्रियों को सुरक्षित स्थान पर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

## आरईएस में अधिकारियों-कर्मचारियों का टोटा

# ऐसे में कैसे बनेगा नियाद नेल्लानार

**सुकमा जिले में 300 करोड़ के 400 कार्य / 10 स्वीकृत उप अभियंता पदों में से 5 खाली**

लीलाधर राठी ▶▶ सुकमा

बस्तर में नक्सलवाद का प्रभाव कम होने के बाद विकास कार्यों को गति देने की उम्मीदें बढ़ी हैं। सड़क, पुल-पुलिया, नाली और ग्रामीण अधोसंरचना के निर्माण के लिए शासन स्तर पर योजनाएं स्वीकृत हो रही हैं, लेकिन इन कार्यों को जमीन पर उतारने वाले विभागों में अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों की कमी बड़ी

- नक्सलमुक्ति के बाद विकास को रफ्तार देने की चुनौती
- प्रभारी के भरोसे तकनीकी कामकाज

चुनौती बनती जा रही है। सुकमा जिले में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का दायरा करोड़ों रुपये तक पहुंच गया है, लेकिन विभागीय अमले की स्थिति सवाल खड़े कर रही है। ऐसे में सवाल है कि आखिर विकास कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी कौन करेगा और समय पर निर्माण कैसे पूरा होगा?

### 300 करोड़ के काम, 160 ग्राम पंचायत, 6000 वर्ग किमी

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुकमा जिले मे कुल 160 ग्राम पंचायत है और किष्टाराम से लेकर तोंगपाल तक 6000 वर्ग किमी में फैला हुआ है। सुकमा जिला में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के करीब 60 कार्य लगभग 61 करोड़ रुपये की लागत से संचालित हैं। वहीं सुकमा, कोंटा और छिंदगढ़ तीनों जनपदों में लगभग 350 से ज्यादा कार्यों की लागत करीब 200 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इतनी बड़ी राशि के निर्माण कार्यों में प्राक्कलन तैयार करने, तकनीकी स्वीकृति, निविदा प्रक्रिया, निर्माण की निगरानी, गुणवत्ता परीक्षण और अंतिम मूल्यांकन जैसी जिम्मेदारियां निभाने के लिए पर्याप्त तकनीकी अमले की जरूरत होती है। लेकिन विभाग में रिक्त पदों और प्रभार व्यवस्था के चलते इन जिम्मेदारियों के निर्वहन पर सवाल उठ रहे हैं।




### दूसरे विभाग के प्रभारी ईई को संभालना पड़ रहा दायित्व

विभागीय व्यवस्था को लेकर एक और महत्वपूर्ण सवाल उठ रहा है। जानकारी के मुताबिक सुकमा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के एसडीओ रविंद्र ताती को ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत भी उनके पास 100 से अधिक कार्य हैं, जिनकी लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। ऐसे में दो महत्वपूर्ण विभागीय जिम्मेदारियों का दबाव कार्यों के निरीक्षण और समयबद्ध निगरानी को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, इस संबंध में विभागीय अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

### तकनीकी स्वीकृति से लेकर निविदा तक लंबी प्रक्रिया

विभागीय सूत्रों के अनुसार, तकनीकी स्वीकृति, एनआईटी यानी निविदा आमंत्रण, दर स्वीकृति और अन्य प्रक्रियाओं के लिए अधिकारियों को जगदलपुर और रायपुर तक जाना पड़ता है। पर्याप्त अधिकारियों की अनुपलब्धता में छोटे-छोटे प्रशासनिक और तकनीकी कार्यों में भी देरी की आशंका बनी रहती है। इसका असर निर्माण की शुरुआत, भुगतान प्रक्रिया और निर्धारित समयसीमा पर पड़ सकता है।

### 10 में से 5 उप अभियंता पद खाली

14 अक्टूबर 2026 की स्थिति दर्शाने वाले विभागीय पदस्थापना विवरण में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सुकमा के अंतर्गत उप अभियंताओं के कुल 10 स्वीकृत पदों में से 5 पद रिक्त दर्ज हैं। यानी आधे पद खाली हैं। दस्तावेज के अनुसार, सुकमा जनपद में 3 स्वीकृत पदों में 1 पदस्थ और 2 रिक्त हैं। कोंटा जनपद में 4 स्वीकृत पदों में केवल 1 पदस्थ है, जबकि 3 पद खाली हैं। छिंदगढ़ में 3 स्वीकृत पदों के विरुद्ध तीनों पद भरे हुए दर्शाए गए हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि सुकमा और विशेषकर कोंटा क्षेत्र में तकनीकी कर्मचारियों की कमी गंभीर है। जिन उप अभियंताओं को निर्माण स्थलों का निरीक्षण, माप पुस्तिका तैयार करने, गुणवत्ता की जांच और कार्यों की प्रगति पर नजर रखने जैसी जिम्मेदारियां निभानी होती हैं, उनकी संख्या आधी रह जाने से कार्यभार बढ़ने की आशंका है।

### नियाद नेल्लानार जैसे कार्यों की कैसे होगी निगरानी

नक्सलमुक्त के बाद सरकार की महत्वाकांक्षी नियाद नेल्लानार जैसी योजनाओं का उद्देश्य दूरस्थ और अंदरूनी क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। ऐसे क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की निगरानी सामान्य इलाकों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण होती है। यदि तकनीकी पद रिक्त रहें और वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार में काम करना पड़े, तो नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है। अब सवाल यह है कि करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के लिए जिम्मेदार विभाग में रिक्त पद कब भरे जाएंगे? क्या शासन पर्याप्त तकनीकी अमला उपलब्ध कराएगा, ताकि स्वीकृत राशि का उपयोग पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ हो सके? नक्सलवाद से प्रभावित रहे सुकमा जिले में विकास की गति बनाए रखने के लिए केवल बजट और स्वीकृति पर्याप्त नहीं, बल्कि सक्षम अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और प्रभावी निगरानी व्यवस्था की भी उतनी ही जरूरत है।

### शासन से पत्राचार करेंगे : एसई

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधीक्षण अभियंता जे.के.गौर ने अधिकारियों की कमी को स्वीकारते हुए कहा कि तत्संबध में शासन स्तर पर पत्राचार किया जावेगा और जिस जिस पदों में की है उसकी पूर्ति कह जावेगी।

### विष्णुदेव साय सरकार का निर्णय जनसेवा करने वाला : नेताम



**दंतेवाड़ा।** छत्तीसगढ़ में नगर सैनिकों के मानदेय में प्रस्तावित वृद्धि तथा बस्तर संभाग के पारंपरिक नेतृत्वकर्ताओं मांझी-चालकी के मानदेय में बढ़ोतरी पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं मीडिया पैनलिस्ट रामू नेताम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृह मंत्री विजय शर्मा और संबंधित विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया है। रामू नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनसेवा करने वाले कर्मचारियों के हितों के साथ-साथ जनजातीय समाज की परंपराओं, संस्कृति और पारंपरिक नेतृत्व व्यवस्था के सम्मान के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। नगर सैनिकों के मानदेय में प्रस्तावित वृद्धि और मांझी-चालकी के मानदेय में की गई बढ़ोतरी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 7900 नगर सैनिक कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अग्निशमन सेवाओं, आपदा प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। विषम परिस्थितियों में उनकी सेवाएं आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। ऐसे में उनके मानदेय को बढ़ाकर 30,870 रुपये प्रतिमाह करने का प्रस्ताव उनके आर्थिक हितों की दिशा में सकारात्मक पहल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रस्ताव पर शासन स्तर से शीघ्र अंतिम निर्णय लेकर इसे लागू किया जाएगा। रामू नेताम ने बस्तर संभाग के मांझी और चालकी के मानदेय में हुई वृद्धि का स्वागत करते हुए कहा कि मांझी-चालकी जनजातीय समाज की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। सामाजिक समन्वय बनाए रखने, स्थानीय परंपराओं को आगे बढ़ाने और ऐतिहासिक बस्तर दशहरा जैसे विशिष्ट सांस्कृतिक पर्वों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि मांझी का मानदेय 2000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये और चालकी का मानदेय 1500 रुपये से बढ़ाकर 3500 रुपये प्रतिमाह किया जाना पारंपरिक नेतृत्वकर्ताओं के सम्मान की दिशा में सराहनीय निर्णय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बस्तर प्रवास के दौरान इस वृद्धि की घोषणा होना भी जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक संस्थाओं के महत्व को रेखांकित करता है।

# कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी संस्कारहीन राजनीति का प्रमाण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में बस स्टैंड दंतेवाड़ा मे कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

- भाजयुमो ने पुतला दहन कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कड़ी निंदा की

स्व. पिता को लेकर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने कहा कि राजनीतिक हताशा में कांग्रेस अब भाषा की मर्यादा और भारतीय संस्कारों की सीमाएं भी लांघने लगी है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष राहुल असरानी ने कहा की प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते उनके दिवंगत पिता को निशाना बनाना कांग्रेस की गिरती राजनीतिक सोच और वैचारिक दिवालियेपन को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति राजनीतिक द्वेष में कांग्रेस जिस स्तर तक उतर रही है, उसे पूरा देश देख रहा है।



जिला पंचायत अध्यक्ष नन्दलाल मुडामी ने कहा कि जनता कांग्रेस की इस संस्कारहीन और ओछी राजनीति को भली-भांति पहचान चुकी है। जब-जब कांग्रेस ने ऐसी घृणित भाषा अपनाई है, जनता ने उसे करारा जवाब दिया है। इस बार भी जनता ऐसी राजनीति को न भूलेगी, न स्वीकार करेगी और समय आने पर अपने लोकतांत्रिक अधिकार से इसका जवाब देगी। जनपद सदस्य रामु नेताम ने कहा कि राजनीतिक विरोध की आड़ में इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी कांग्रेस की गिरी हुई सोच और संस्कारहीन राजनीति का खुला प्रमाण है। कांग्रेस अध्यक्ष को अपनी टिप्पणी के लिए देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री सत्यजीत चौहान, जिला उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, सत्यनारायण महापात्र, पिंटू उइके, भाजपा मंडल अध्यक्ष जय भंसाली, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता,जनपद अध्यक्ष सुनीता भास्कर,नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश गुप्त मिश्रा,जनपद उपाध्यक्ष रमेश गावड़े, राजन महेश्वरी, सरिता उइके, रुपन मंडल, निखिल नाग, लक्ष्मी यादव, दंतेश्वरी सोरी, कुंती झरना, डे नारायण, जीडी बैरागी, पवन कर्मा, चंद्रकांत स्वाई, सूरज सिंह, नरेश चौहान, विशेष सिंह, हितेश सिन्हा, गौरव भवानी, वेणु शंकर नेताम, शिव प्रताप, बृजेश राणा, भारती आठभईया, सुनील नाग, बालकृष्णा, नीलेश कुड़ियाम, साहित्य मंडावी, राहुल सोनवानी, प्रमोद ठाकुर, राजा साहू, आर्यन शर्मा, दीपेश पटेल, दिव्यांश ताती, गौरव ठाकुर, ऋषित राव, रवि पोयाम, अम्बुज परोहा, मोनू दास मानिकपुरी, ललित समेत भारी संख्या मे भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट में गूंजेगी बीजापुर के युवाओं की आवाज

**विधानसभा से संसद तक मिलेगा प्रतिभा दिखाने का अवसर**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा, तार्किक क्षमता, नेतृत्व कौशल एवं विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। मेरा युवा भारत केंद्र, बीजापुर के तत्वावधान में

- एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर युवा रखेंगे पक्ष-विपक्ष में विचार

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2027 के अंतर्गत 31 अक्टूबर 2026 को पोटा केबिन ऑडिटोरियम, बीजापुर में जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से जिले के युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं एवं समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के साथ ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता के अंतर्गत जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा, जिन्हें छत्तीसगढ़ विधानसभा में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसके पश्चात राज्य स्तर पर चयनित छत्तीसगढ़ के तीन प्रतिभागियों को देश के संसद भवन में अपने विचार रखने का अवसर प्राप्त होगा। इस प्रकार विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट जिले के युवाओं को जिला स्तर से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' निर्धारित किया गया है। प्रतिभागी इस विषय के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने तार्किक एवं तथ्यपरक विचार प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी को भाषण देने के लिए 3 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। प्रतिभागी हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों की आयु 17 अगस्त 2026 की स्थिति में 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रतियोगिता के दौरान दो या अधिक प्रतिभागियों के अंक समान होने की स्थिति में टाई-ब्रेकर के तहत विषय से संबंधित 10 अंकों का तात्कालिक प्रश्न पूछा जाएगा, जिसके आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा।

# कस्तूरी में 35 लाख की पुलिया निर्माण स्वीकृति पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

छिंदगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत गंजेनार के आश्रित ग्राम कस्तूरी के बिजगुड़ी मार्ग पर 10 मीटर लंबी पुलिया निर्माण के लिए 35 लाख की स्वीकृति को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव दुर्गेश राय ने इस स्वीकृति पर सवाल उठाते हुए सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका जताई है। उन्होंने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य की स्वीकृति, प्रस्तावित स्थल की वास्तविक स्थिति और विभागीय प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है।



- जहां गांव, घर और सड़क ही नहीं, वहां पुलिया निर्माण की जरूरत क्या : दुर्गेश

दुर्गेश राय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार में विकास कार्यों की स्वीकृति का यह कैसा मॉडल है, जहां कथित तौर पर न गांव है, न घर और न ही सड़क, फिर भी पुलिया निर्माण के लिए लाखों रुपये मंजूर कर दिए गए। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ने उक्त स्थल पर पुलिया निर्माण के लिए भूमि पूजन भी किया था। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस स्थान का चयन किस आधार पर किया गया और क्या निर्माण की स्वीकृति देने से पहले संबंधित अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया था।

### स्थल निरीक्षण और एस्टीमेट पर सवाल

कांग्रेस नेता ने संबंधित विभाग के सब-इंजीनियर की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि किसी भी निर्माण कार्य का एस्टीमेट तैयार करने से पहले स्थल का भौतिक सत्यापन करना और उसकी वास्तविक उपयोगिता का आकलन करना जरूरी है। यदि प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किए बिना ही निर्माण का आकलन तैयार किया गया है, तो यह गंभीर लापरवाही का मामला हो सकता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

राय ने कहा कि सरकारी धन जनता की मेहनत की कमाई है और उसका उपयोग उन्हीं कार्यों में होना चाहिए, जिनसे आम लोगों को वास्तविक लाभ मिले। विकास कार्यों की स्वीकृति केवल कागजी प्रक्रिया या औपचारिक भूमि पूजन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माण की जरूरत है और उससे क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी।

### जांच कराने की मांग

दुर्गेश राय ने जिला प्रशासन से मांग की है कि कस्तूरी के बिजगुड़ी मार्ग पर प्रस्तावित पुलिया निर्माण की स्वीकृति, स्थल निरीक्षण और एस्टीमेट तैयार करने की प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि जांच में अनियमितता या विभागीय लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने पुलिया निर्माण की स्वीकृति निरस्त कर 35 लाख की राशि को ऐसे विकास कार्य में लगाने की मांग की, जहां उसकी वास्तविक आवश्यकता हो और जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

# महिला समूह ने विधायक को सौंपा ज्ञापन



हरिभूमि न्यूज ▶▶ घाटलोहंगा

बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा के कारण फसल बर्बाद होने से आर्थिक संकट का सामना कर रही ग्राम पंचायत बेलगांव की महिला समूह की सदस्यों ने बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल को ज्ञापन सौंपकर समूह की मासिक किस्त जमा करने के लिए अतिरिक्त समय देने की मांग की। महिला समूह की सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष क्षेत्र में आई बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा के कारण उनकी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। फसल खराब होने से महिलाओं की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हो गई है। आय का पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण वे समूह की निर्धारित राशि एवं मासिक किस्त समय पर जमा करने में असमर्थ हैं। महिला समूह ने विधायक से फसल नुकसान एवं वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मासिक किस्त जमा करने के लिए अतिरिक्त समय दिलाने की मांग की। महिलाओं का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों में राहत मिलने से उन्हें आर्थिक संकट से उबरने तथा दोबारा अपने पैरों पर खड़े होने में मदद मिलेगी।

# जवानों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ की 170वीं वाहिनी में सोमवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। वाहिनी मुख्यालय में प्रातः 11 बजे कमांडेंट सरकार राजा रमन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं जवानों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई।

इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम "सत्यनिष्ठा से समृद्धि" रखी गई है। कार्यक्रम का उद्देश्य भ्रष्टाचार के उन्मूलन, पारदर्शिता को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम में वाहिनी मुख्यालय एवं अधीनस्थ कंपनियों के अधिकारियों और जवानों को "नागरिकों के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा" दिलाई गई। इस दौरान जवानों ने देश से भ्रष्टाचार को समाप्त करने तथा अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने का संकल्प लिया।



शपथ के दौरान जवानों ने कहा कि वे देश की आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार को एक बड़ी बाधा मानते हुए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी एवं कानून के नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने न रिश्वत लेने और न देने, अपने सभी कार्यों को पारदर्शी तरीके से संपन्न करने तथा व्यक्तिगत आचरण में सत्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत कर समाज को प्रेरित करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों एवं जवानों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं सभी जवान उपस्थित रहे।

# दिलीप दुर्गम उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गीदम

महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर भारतीय दलित साहित्य अकादमी धमतरी द्वारा गीदम ब्लॉक के कारली में कार्यरत सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी दिलीप दुर्गम को राज्य अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें पशु चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका के लिए डॉ. बाबा साहब अंबेडकर एक्सीलेंसी राज्य अलंकरण पुरस्कार प्रदान किया गया है।

दिलीप दुर्गम लंबे समय से कारली क्षेत्र में पशुपालकों को बेहतर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। पशुओं के टीकाकरण, उपचार और पशुपालकों को जागरूक करने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। साथ ही लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को पशुपालन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सामाजिक कार्यों के साथ-साथ वे




सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी संघ, जिला दंतेवाड़ा के जिला अध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन विगत 8 वर्षों से निरंतर कर रहे हैं। संगठन को मजबूत करने और कर्मचारियों की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने में उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

# चक्रवात व अतिवृष्टि से निपटने जिला प्रशासन का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा संभावित चक्रवात, अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशन में जिला अधिकारियों की बैठक आयोजित कर जन-धन की सुरक्षा, राहत एवं बचाव कार्यों के प्रभावी संचालन तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को विभागवार जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वर्षामापक केंद्रों में स्थापित यंत्रों के उचित संधारण, वर्षा संबंधी जानकारी संकलन एवं नवगठित तहसीलों में वर्षामापक यंत्र स्थापित करने की जिम्मेदारी प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख बीजापुर एवं समस्त तहसीलदारों को दी गई है। वहीं जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे सक्रिय रखने, ग्राम पंचायतों एवं नागरिकों तक कंट्रोल रूम की जानकारी पहुंचाने प्रभारी अधिकारी राहत शाखा, समस्त तहसीलदार एवं सहायक संचालक जनसंपर्क बीजापुर को सौंपी गई है। नदियों एवं जलाशयों के जलस्तर की सतत निगरानी, जल निकासी तथा निचले क्षेत्रों को पूर्व सूचना देने की जिम्मेदारी दी गई है। बाढ़ की स्थिति में पहुंचविहीन क्षेत्रों में खाद्य सामग्री, नमक, केरोसीन, जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता तथा गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित स्वास्थ्य संस्थाओं तक पहुंचाने की जिम्मेदारी जिला खाद्य अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बीजापुर को दी गई है। पेयजल की शुद्धता, कुओं एवं हैंडपंपों में ब्लीचिंग पाउडर की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान, सतत निगरानी, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, राहत शिविरों की व्यवस्था तथा मोटर बोट एवं प्रशिक्षित बचाव दल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी समस्त तहसीलदार, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं जिला सेनानी नगर सेना बीजापुर को सौंपी गई है। राहत शिविरों में भोजन, पेयजल, स्वच्छता, पर्याप्त आश्रय एवं नियमित स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के अधिकारियों को सुनिश्चित करने निर्देश किया गया है।

- राहत शिविर, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं बचाव कार्यों की तैयारी सुनिश्चित करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

## खबर संक्षेप

### नैमेड़ से गुम कलिका महाराष्ट्र से सकुशल बरामद



**जगदलपुर।** बीजापुर जिले के नैमेड़ थाना क्षेत्र से लापता कलिका मरकाम को पुलिस की सतर्कता से महाराष्ट्र से सकुशल बरामद कर लिया गया है। नैमेड़ पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम कुएनार निवासी कतिका मरकाम के गुम होने की रिपोर्ट परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई थी। परिजनों के मुताबिक वह बिना बताए कहीं चली गई थी। मामले में नैमेड़ थाना में धारा 140(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पतासाजी की जा रही थी। पुलिस द्वारा परिजनों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ कर गुमशुदा की तलाश की जा रही थी। नैमेड़ पुलिस की टीम को जांच के दौरान पता लगा कि कनिका मरकाम महाराष्ट्र के चन्द्रपुर में मौजूद है।

### भाजपा अध्यक्ष ने अमर्यादित टिप्पणी की निंदा की

**जगदलपुर।** भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्गीय पिता को लेकर की गई टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की है।



उन्होंने कहा कि राजनीतिक हताशा में कांग्रेस अब भाषा की मर्यादा और भारतीय संस्कारों की सीमायें भी लांघने लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। कांग्रेस की गिरती राजनीतिक सोच और वैचारिक दिवालियेपन को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति राजनीतिक द्वेष में कांग्रेस जिस स्तर तक उतर रही है, उसे पूरा देश देख रहा है। जनता कांग्रेस की इस संस्कारहीन और ओछी राजनीति को भली-भांति पहचान चुकी है।

## राष्ट्रीय राजमार्ग दुरूस्त करने सैकड़ों पेड़ों की बलि...



**जगदलपुर।** जैव विविधता एवं नैसर्गिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध बस्तर के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के विशाल बेशकीमती पेड़ों पर कुल्हाड़ी और आरी चल रही है। सैकड़ों पेड़ों को राष्ट्रीय राजमार्ग को दुरूस्त करने के लिए काटा जा रहा है इसमें कई इमारती प्रजाति के भी पेड़ है। सागौन,साल,बीजा के अलावा अन्य प्रजाति के 40-50 फीट तक के विशाल पेड़ शामिल है। कांगेर घाटी उद्यान क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग होने से इस सड़क का चौड़ीकरण लंबे समय से ठंडे बस्ते में रहा। यहां से दक्षिण भारत के कई राज्यों में जाने वाले वाहनों को परेशानी होती थी विशेषकर बारिश में जर्जर सड़क परेशानी का सबब बन रहे थे। वहीं चट्टानों को जेसीबी से तोड़कर सड़क चौड़ा किया जा रह है। अब विशाल पेड़ों की बलि के बाद एनएच को दुरूस्त करने का काम किया जाएगा। इसके लिए वन और एनएच के अधिकारी जोर शोर से जुटे हैं। फोटो : सुरेश रावल

# बस्तर दशहरा की परंपराओं से समझौता नहीं, सभी की भागीदारी जरूरी : जयदेव

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर धाकड़ क्षत्रिय राजपूत समाज के तत्वावधान में आयोजित दशहरा मिलन समारोह में बस्तर दशहरा की गौरवशाली परंपराओं, धार्मिक आस्था और पर्व की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। समाज के संरक्षक कुमार जयदेव के नेतृत्व में ग्राम मारकेल में आयोजित इस समारोह में जगदलपुर, दंतेवाड़ा, तोकापाल, लोहंडीगुड़ा, माड़पाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से मांझी-चालकी, सिरहा-गुनिया,

■ दशहरा मिलन में मांझी-चालकी, सिरहा-गुनिया और पुजारियों ने साझा किए अनुभव

पुजारी, राजपूत समाज, उत्कल समाज एवं अन्य समाजों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

समारोह में दशहरा पर्व से जुड़े लोगों का अभिनंदन किया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए संरक्षक कुमार जयदेव ने कहा कि बस्तर दशहरा किसी व्यक्ति या जाति विशेष का पर्व नहीं, बल्कि पूरे बस्तर वासियों की आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। मां दंतेश्वरी बस्तर की आराध्य देवी हैं और उनके दरबार में सभी को पूजा-अर्चना का अधिकार है। इसलिए दशहरा की परंपराओं को सुरक्षित रखना और पर्व का आयोजन पारंपरिक मर्यादाओं के अनुरूप करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दशहरा पर्व के दौरान कुछ व्यवस्थागत कमियां और ऐसी घटनाएं सामने आईं, जिनसे परंपराओं से जुड़े लोगों की भावनाएं आहत हुईं। इन घटनाओं पर गंभीरता से विचार-मंथन कर भविष्य में उनकी गपुनरावृत्ति



### जिया महाराज ने भी परंपराओं की अनदेखी पर जताई नाराजगी

दंतेवाड़ा स्थित दंतेश्वरी मंदिर के पुजारी जिया महाराज ने भी इस वर्ष बस्तर दशहरा की व्यवस्थाओं में सामने आई कमियों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दशहरा जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के पर्व में परंपराओं का पालन सर्वोपरि होना चाहिए। इस वर्ष कुछ घटनाएं ऐसी हुई, जिन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। व्होंने राष्ट्रपति के समक्ष काछन देवी के झूला अनुष्ठान से जुड़ी बालिका की भूमिका में बदलाव किए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसी परंपराओं के निर्वहन में निर्धारित रीति-रिवाजों और परंपरागत व्यवस्था का ध्यान रखा जाना चाहिए। उनके अनुसार, परंपराओं से जुड़े आयोजनों में बिना उचित कारण बदलाव करना उचित नहीं है। जिया महाराज ने रथ का पहिया टूटने के बाद जेसीबी से रथ खींचे जाने की घटना पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि परंपराओं की अनदेखी स्वीकार्य नहीं है और दशहरा पर्व का संचालन पारंपरिक मर्यादाओं के अनुसार ही होना चाहिए।

रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

***परंपराओं के संरक्षण के लिए बने प्रतिनिधित्व वाली समिति***

कुमार जयदेव ने मांग की कि बस्तर दशहरा के सुचारु और परंपरागत आयोजन के लिए एक समिति का गठन किया जाए, जिसमें मांझी-चालकी, पुजारी, सिरहा-गुनिया सहित दशहरा की परंपराओं से जुड़े सभी प्रमुख वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व मिले। समिति पर्व से संबंधित व्यवस्थाओं की निगरानी करे और प्रशासन को पारंपरिक रीति-रिवाजों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दे। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी अपने स्तर पर व्यवस्थाएं संभालते हैं, लेकिन पारंपरिक रीति-रिवाजों की पूरी जानकारी नहीं होने के कारण कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां बन जाती हैं, जिससे पर्व की मूल परंपराएं प्रभावित होती हैं। इसलिए दशहरा की व्यवस्थाओं में परंपराओं के जानकारों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

***रथ का पहिया टूटने और जेसीबी से खींचने पर जताई नाराजगी***

कुमार जयदेव ने इस वर्ष दशहरा के दौरान रथ का पहिया टूटने के बाद जेसीबी की सहायता से रथ खींचे जाने की घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों में पारंपरिक व्यवस्था और धार्मिक मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पहले से उचित योजना और समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दशहरा समिति के पदाधिकारियों और जिम्मेदार लोगों का दायित्व है कि वे पर्व की परंपराओं की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को समय रहते दें, ताकि किसी भी निर्णय से धार्मिक आस्था और पारंपरिक व्यवस्था प्रभावित न हो।

***रथ खींचने के दौरान शराब पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग***

कुमार जयदेव ने दशहरा के दौरान रथ खींचने वाले लोगों को शराब उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रथ खींचना मां दंतेश्वरी के प्रति आस्था और समर्पण से जुड़ी परंपरा है। ऐसे में शराब का सेवन धार्मिक भावना के अनुरूप नहीं है और इससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। उन्होंने इस वर्ष रथ खींचने के दौरान हुई एक व्यक्ति की मृत्यु का उल्लेख करते हुए शासन-प्रशासन से मांग की कि रथ खींचने की पूरी अवधि में शराब के सेवन और वितरण पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

### सिरहासार में जोगी को समय से पहले विदा करने पर उठाए सवाल

जिया महाराज ने सीरासार में विराजमान जोगी बाबा को समय से पहले विदा किए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसी परंपराओं में निर्धारित मर्यादाओं का पालन किया जाना चाहिए। यदि किसी कारणवश स्थान परिवर्तन आवश्यक था, तो योगियों को उचित वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकती थी। उन्हें समय से पहले विदा करने के बजाय परंपरा के अनुरूप सम्मानजनक व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए थी।उन्होंने कहा कि इस वर्ष सामने आई घटनाएं इस बात की ओर संकेत करती हैं कि दशहरा की व्यवस्थाओं की समीक्षा और भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है। इसके लिए परंपराओं की जानकारी रखने वाले पुजारियों, मांझी-चालकी तथा अन्य संबंधित लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए।

### समिति गठन की मांग को बताया उचित

जिया महाराज ने कुमार जयदेव की समिति गठन की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि दशहरा पर्व की व्यवस्थाओं के लिए ऐसी समिति होनी चाहिए, जिसमें परंपराओं की जानकारी रखने वाले पुजारी और अन्य पारंपरिक पदाधिकारी शामिल हों। उन्हें पर्व की व्यवस्थाओं के संचालन और परंपराओं के संरक्षण का दायित्व दिया जाना चाहिए, ताकि दशहरा की गरिमा, मर्यादा और ऐतिहासिक परंपराएं सुरक्षित रह सकें। समारोह में उपस्थित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने भी बस्तर दशहरा की परंपराओं के संरक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार और सभी समाजों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, समाज प्रमुखों, पुजारियों, पत्रकारों और उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया।

# सोक पिट सिस्टम पौधों को वृक्ष बनाने की कारगर तकनीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय संस्था 'पीपल्स केयर'लगातार पीपल के पौधे लगाने पर जोर दे रही है। संस्था के सदस्यों ने आज लालबाग हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास स्थित भुतहा तालाब को हरा भरा करने पौधरोपण किया । इसमें खासबात यह है कि देववृक्ष पीपल के पौधे लगाने का बीड़ा संस्था ने लिया है।

■ पीपल्स केयर देव वृक्ष पीपल लगाकर दे रहा पर्यावरण बेहतर करने का संदेश



सनातन परंपरा के अनुसार पीपल में त्रिदेवों का वास होता है, इसकी जड़ों में ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु और पत्तों में शिव का वास माना गया है। ऐसे पावन देववृक्ष को तालाब, नदी किनारे या देव गुडी मे लगाना मानो अपने परिवार में एक स्थाई सदस्य को जोड़ना है, जिसका आशीर्वाद उस परिवार को आजीवन मिलता रहता है। इस पौधे से 24 घंटे लगातार प्राणवायु ऑक्सीजन मिलता है, जिससे आने वाले समय में शहर को लाखों टन शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी और पर्यावरण का संतुलन सुधरेगा। इसके साथ ही, इसके फल और छांव से अनगिनत पक्षियों और राहगीरों को आश्रय व भोजन मिलेगा, जिससे पुण्य और सेवा का यह सिलसिला पीढ़ियों तक चलता रहेगा। तालाब भी वर्षो तक सुरक्षित रहेगा। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता पौधे के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और तीव्र विकास के लिए अपनाई गई एक विशेष वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीक रही। पीपल के पौधे को सदैव पर्याप्त नमी और सीधे जड़ों तक पानी पहुंचाने के लिए एक अनूठा सोक पिट सिस्टम तैयार किया गया है, जिसमें जड़ के पास नीचे गिट्टी डालकर सोक पिट बनाया गया है, साथ ही विशेष पाइ'प व जाली लगाकर ऊपर से मिट्टी डाली गई है। इस नवीन तकनीक के माध्यम से पानी सीधे पौधे की गहराई तक जड़ों में पहुंचेगा, जिससे कम पानी में भी पौधे को निरंतर पर्याप्त नमी मिलती रहेगी और उसकी बढ़त बहुत तेजी व स्वास्थ्यवर्धक तरीके से होगी। इस अवसर पर पीपल्स केयर के प्रभारी किशोर जाधव, पर्यावरण प्रेमी एवं पार्षद सुरेश गुप्ता सहित संस्था के संस्थापक सुरेश यादव और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

यह पहल शहर के किसी भी शख्स के जन्मदिन पर पीपल का पौधा लगाने की परिपाटी उन्होंने शुरू की है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि वे जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ, माता-पिता की स्मृति या किसी भी अन्य खुशी के पावन अवसर पर पीपल का पौधा अवश्य लगाएं। पीपल का पौधा और उसकी सुरक्षा के लिए जाली मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएगी। आज हरिभूमि के ब्यूरो चीफ सुरेश रावल के जन्मदिवस पर पौधरोपण किया गया।

### सड़क निर्माण में लापरवाही से लोग परेशान



**जगदलपुर।** दलपत सागर से लेकर अनुपमा टॉकिज तक सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते सड़क में पानी नहीं डालना लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। सड़क के दोनों और बने घरों में धूल के कारण आने जाने वालों के अलावा घर में रहने वाले लोगों को खासी दिक्कत हो रही है। हरिभूमि से चर्चा में वार्डवासियों ने बताया कि रविवार को सड़क पर पानी नहीं डालने से पूरे मार्ग में धूल वाहनों के चलने से उड़ रही थी। जहां धूल के कारण लोगों को काफी परेशानी हुई। रविवार को सड़क में यदि पानी डाला गया होता तो लोगों को धूल से राहत मिलती। लेकिन सरकारी लोगों ने इसमें लापरवाही बरती।

# सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्वदेशी उत्पादों और आकर्षक झूलों ने खींचा लोगों का ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



शहर के लालबाग मैदान में स्वदेशी मेले का रविवार को समापन हुआ। सांसद महेश कश्यप तथा आईजी बद्री नारायण मीणा की उपस्थिति में आयोजित समापन समारोह में मेला आयोजन समिति के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। सप्ताहभर चले इस आयोजन में स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनोरंजन की विभिन्न गतिविधियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मेले में प्रतिदिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को उत्सवी माहौल प्रदान किया। वहीं, बच्चों से लेकर बड़ों तक के मनोरंजन के लिए लगाए गए विभिन्न प्रकार के झूले लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में विभिन्न प्रकार के स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से लोगों को देश में निर्मित वस्तुओं की खरीदारी का अवसर मिला। आयोजन का प्रमुख उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, लोगों को स्थानीय एवं घरेलू उत्पादों के प्रति जागरूक करना तथा छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराना रहा। सप्ताहभर चले इस आयोजन में खरीदारी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजन की गतिविधियों का समावेश रहा।इस अवसर पर आयोजन समिति के राम राकेश जांगिड़, अनिल लुक्कड़, सुब्रत चाकी, कल्पना वर्मा और किशोर परख सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।







# पटवारियों को कनिष्ठ प्रशासनिक संघ का मिला समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



राजस्व पटवारी संघ की 13 अक्टूबर से पीवी एप के विरोध के साथ ही वेतन विसंगति और पदोन्नति से संबंधित मांगों को लेकर की जा रही प्रांतव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल को सोमवार को राज्य कनिष्ठ प्रशासनिक संघ के तहसीलदारों ने समर्थन दिया। पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष आनंद कश्यप ने बताया कि बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में कनिष्ठ प्रशासनिक संघ के प्रांताध्यक्ष पेखन टोण्डे ने अपने साथियों के साथ धरनास्थल पहुंचकर समर्थन दिया और कहा कि आपकी मांगें जायज हैं और शासन को तत्काल आपकी मांगों को पूरा करना चाहिए। उन्होने कहा कि आपकी मांगों को पूरा करना बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। शासन इन्हें तत्काल पूरा कर सकता है। और शासन यदि हमसे इसमें राय मांगता है तो हम तत्काल इस पर समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि गिरदावरी करना राजस्व विभाग का काम है और उसे हम पूरी ईमानदारी से करते हैं। आपकी जो वेतन विसंगति है उसे तत्काल दूर किया जा सकता है और आपकी पदोन्नति की जा सकती है। पीवी एप में बहुत कुछ सुधार हुआ है और मैं कहना चाहता हूं कि हमारे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय काफी संवेदनशील हैं। विश्वास है कि वे तत्काल संज्ञान लेकर आपकी मांगों को पूरा करेंगे। पटवारियों का आंदोलन उनका आंदोलन नहीं, वरन किसानों का आंदोलन है।

पटवारी संघ के संरक्षक कृष्ण कुमार मिरी ने कहा कि पीवी एप में काफी हद तक सुधार हुआ है पर इसके अतिरिक्त हमारी वर्षों से लंबित मांगें हैं, जिनमें वेतन विसंगति और पदोन्नति शामिल हैं। जब तक ये पूरी नहीं होंगी हड़ताल जारी रहेगी।

पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष आनंद कश्यप ने बताया कि हड़ताल की वजह से कई कार्य प्रभावित हो रहा है। इनमें आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र से संबंधित प्रतिवेदन कार्य के अलावा भुइयाँ पोर्टल से संबंधित कार्य, फसल कटाई प्रयोग का कार्य, टीआरएस पत्रक तैयार करने का कार्य, प्रोटोकॉल एवं शिविर ड्यूटी एवं अन्य विभागीय कार्यों का निष्पादन कार्य प्रभावित हो रहा है।